संपादकीय

समझौता तय, लेकिन कब?

राष्ट्रपति ट्रंप का बीती 14 जून को जन्मदिन था। वह 80 वर्ष के हो गए हैं। फिर भी उन्हें शुभकामनाएं देने और उनके लिए दुआएं करने का मन नहीं है। बेशक वह 'सुपर पॉवर' अमरीका के निर्वाचित राष्ट्रपति हैं, लेकिन मानसिकता से वह एक शातिर, मुनाफाखोर व्यापारी हैं, वैश्विक आक्रांता हैं, कब्जेबाज हैं, सनकी और अस्थिर भी हैं तथा दुनिया को उपनिवेश मानने वाले नेता हैं। चूंकि अब ईरान युद्ध पर समझौते के आसार बार-बार उभर रहे हैं, लिहाजा माना जा सकता है कि युद्ध समाप्ति की ओर है। यह स्थिति करीब 110 दिन के बाद लग रही है। राष्ट्रपति ट्रंप का अहंकार, उनकी अकड़ समझ में आती है, क्योंकि वह किसी भी देश को मिट्टी-मलबे में तबदील करने की सामरिक ताकत रखते हैं। ईरान का अधिकांश हिस्सा खंडहर हो चुका है। सरकारी ही सही, सार्वजनिक आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि युद्ध के दौरान ईरान में 3636 मौतें हो चुकी हैं, करीब 26,500 घायल हुए हैं, ईरान के 155 नौसेना जहाज और हजारों ड्रोन अमरीकी सेना ने तबाह कर दिए हैं, हजारों मिसाइल हमलों में खर्च हो चुकी हैं, ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई समेत 40-45 शीर्ष नेता और मंत्री, विभिन्न कमांडर, सलाहकार आदि एक ही हमले में मार दिए गए थे। एक अमरीकी डॉलर की कीमत 13.75 लाख रियाल से अधिक है, महंगाई दर 77 फीसदी को पार कर चुकी है, आईएमएफ के मुताबिक, ईरान की जीडीपी में 6 फीसदी से अधिक की गिरावट आ चुकी है। भुखमरी के पूरे आसार हैं, क्योंकि लोगों को ऋण लेकर अंडा, चिकन, भोजन का बंदोबस्त करना पड़ रहा है। वहां 'ईएमआई पर भोजन' के बिलबोर्ड लगे हैं। ऐसे हालात के बावजूद ईरान समझौते को लेकर जिद और खोखला अहंकार दिखा रहा है। अद्भुत और आश्चर्यज.! उसे सोचना चाहिए कि युद्ध के कारण दुनिया में आर्थिक मंदी, ऊर्जा और खाद्य-संकट के हालात बन रहे हैं। हैरानी की बात है कि ईरान का एक तबका सडक़ों पर, विदेश मंत्रालय के दफ्तर के सामने, विरोध-प्रदर्शन पर उतर आया है। ये सामूहिक नारे भी लगा रहे हैं कि समझौते के पैरोकारों- विदेश मंत्री अरागची और संसद स्पीकर कालीबाफ- को 'मौत' दी जाए। उन्होंने अमरीका के सामने सरेंडर किया है! ऐसा आभास होता है कि ईरान के कट्टरपंथी चेहरे फिलहाल युद्ध को समाप्त करने के पक्षधर नहीं हैं, लिहाजा वे ऐसे विरोध-प्रदर्शनों को भडक़ा रहे हैं! बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप अपने जन्मदिन का तोहफा तो नहीं ले सके, क्योंकि ईरान समझौते की तारीख को अभी खारिज कर रहा है। अब नई तारीख 19 जून सामने आई है। खबर है कि उस दिन स्विट्जरलैंड में डील पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। वैसे इसी दौरान प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी 'रॉयटर्स' ने ईरान के वरिष्ठ अधिकारी के सौजन्य से समझौते के कुछ बिंदु सार्वजनिक किए हैं। मसलन-ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और न ही परमाणु अस्त्र हासिल करने की कोशिश करेगा। ईरान धीरे-धीरे सवंर्धित यूरेनियम को कम करेगा। होर्मुज को खोला जाएगा, लेकिन अमरीका को पहले सैन्य नाकेबंदी हटानी होगी। अमरीका कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाएगा, बल्कि ईरान को कच्चा तेल निर्यात करने की छूट देगा। रॉयटर्स का यह भी दावा है कि अमरीका ईरान की 24-25 अरब डॉलर की जब्त संपत्तियों को जारी करेगा। समझौता होने के बाद 60 दिनों के अंतराल में अमरीका और ईरान आपस में बातचीत करेंगे और विवादों को आसान करने की कोशिश करेंगे।

घुसपैठ का निदान है जरूरी

भारत सरकार देश के गरीब नागरिकों के लिए जो कल्याणकारी योजनाएं चलाती है, जिसके तहत मुफ्त रशन, बिजली, पानी और वित्तीय समावेशन (जैसे बैंक खाते) जैसी सुविधाएं दी जाती हैं, फर्जी दस्तावेजों के दम पर ये घुसपैठिए इन योजनाओं का अनुचित लाभ उठा रहे हैं, जिससे देश के खजाने को हर साल करोड़ों का नुकसान हो रहा है। यही नहीं घुसपैठ वाले इलाकों में सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव बनता जा रहा है। इन घुसपैठियों ने अवैध रूप से आधार कार्ड और राशन कार्ड तक बना लिए हैं। इससे ज्यादा प्रवासी आबादी वाले इलाकों में स्वास्थ्य, शिक्षा, साफ-सफाई और रियायती भोजन व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। घुसपैठ के कारण योजना विहीन शहरीकरण, आवास और बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ाता है। नकली आधार, राशन कार्ड और वोटरकार्ड के मामले शासन-प्रशासन और आंतरिक सुरक्षा के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। घुसपैठ को रोकना जरूरी है।

हाल ही में भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा स्पेशल इंटेंसिव रिलिजन (एसआईआर) की एक प्रक्रिया शुरू की गई, जिसके अंतर्गत अभी तक कई राज्यों में चुनाव से पूर्व इस प्रक्रिया के माध्यम से किसी विदेशी के मतदाता सूची में गलती से शामिल होने, मृत वोटरों के मतदाता सूची से नाम न हटने, किसी वोटर के एक स्थान से ज्यादा स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने और बार-बार पलायन के कारण मतदाता सूची की कमियों को दुरुस्त करने का काम किया जा रहा है। स्वाभाविक तौर पर विदेशियों के नाम मतदाता सूची में होने की स्थिति में, एसआईआर प्रक्रिया के कारण उनके नाम स्वयंमेव कट जाते हैं, क्योंकि वे अपनी नागरिकता सिद्ध नहीं कर पाते। गौरतलब है कि एसआईआर प्रक्रिया के माध्यम से उत्तर प्रदेश से 2.9 करोड़, पश्चिम बंगाल से 91 लाख, तमिलनाडु से लगभग 1 करोड़, गुजरात से 68.78 लाख, राजस्थान से 1.7 करोड़, मध्य प्रदेश से 1.7 करोड़, केरल से 1.7 करोड़, छत्तीसगढ़ से 1.7 करोड़, गोवा से 1.7 करोड़ वोट मतदाता सूची से हटाए गए हैं। कुल मिलाकर 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में 6.5 करोड़ लोगों को मतदाता सूची से हटाने की सिफारिश हुई और अंत में आपत्तियों के बाद 12 राज्यों और 3 केन्द्रशासित प्रदेशों में कुल मिलाकर 5.2 करोड़ वोटरों को मतदाता सूची से हटाया गया है।

हालांकि विपक्षी दलों द्वारा एसआईआर प्रक्रिया की पुरजोर खिलाफत हुई, लेकिन अंततोगत्वा सर्वोच्च न्यायालय ने एसआईआर प्रक्रिया को संवैधानिक ठहराते हुए विपक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया है। यानी एसआईआर प्रक्रिया पर अब न्यायालय की भी मुहर लग गई है। यह बात सही है कि इस प्रक्रिया के अंतर्गत मतदाता सूची से नाम हटने के कई अन्य कारण हैं, लेकिन विदेशी घुसपैठियों को भी इस प्रक्रिया के अंतर्गत मतदाता सूची से बाहर करने का काम किया गया। एसआईआर के माध्यम से हालांकि बड़ी संख्या में विदेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाने का काम तो हुआ है, लेकिन विदेशी घुसपैठियों को देश से बाहर करने का महत्वपूर्ण कार्य अभी बाकी है। पिछले लंबे समय से भारत के विभिन्न भागों में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया में कहीं भी अवैध विदेशी घुसपैठ को अनुमति नहीं है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जाता रहा है। गौरतलब है कि अमरीका और यूरोप जैसे विकसित देश अवैध घुसपैठ के खिलाफ न केवल कड़े कानून बना रहे हैं, बल्कि अवैध घुसपैठ से सख्ती से निपटने का प्रयास भी कर रहे हैं। गौरतलब है कि सामान्यत- बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ में एक विशेष वर्ग का बहुतायत है, इसलिए इस मुद्दे पर धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भी लगातार राजनीति होती रही है। यह घुसपैठ उन राज्यों में ज्यादा पनपती है, जहां सत्ताधारी पार्टी इस घुसपैठ को वोट बैंक राजनीति के रूप

में इस्तेमाल करती है। हाल ही में भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने अवैध घुसपैठ के मामले और जनसांख्यिकी बदलाव (डेमोग्राफिक चेंज) पर उच्च स्तरीय समिति का गठन किया। इसके पीछे की पृष्ठभूमि यह मानी जा रही है कि बांग्लादेश के साथ सांझी सीमा होने और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठियों को प्रश्रय देने के कारण पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या ने विकराल रूप धारण किया हुआ है।

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी का शासन स्थापित होने के तुरंत बाद इस समिति के गठन के बाद यह स्पष्ट है कि अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ अब सरकार सख्त रुख अपनाने वाली है। विपक्षी दल, जब वे सत्ता में थे, तब भी वे इस समस्या का जिक्र तो करते थे, लेकिन समाधान के नाम पर उन्होंने कोई प्रकट प्रयास नहीं किया। वर्तमान सरकार के प्रयासों से वे कभी सहमत नहीं हुए, और आज भी इस मुद्दे के बारे में सरकार के साथ एक राय नहीं रखते। इस मुद्दे को राजनीति के चश्में से न देखकर, देश और समाज के हित के साथ जोडक़र देखने की जरूरत है। हालांकि बांग्लादेशी घुसपैठ की संख्या का कोई निश्चित आधिकारिक अनुमान नहीं है, वर्ष 2004 में यूपीए सरकार ने संसद में यह कहा था कि देश में 1.2 करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं, लेकिन उसके बाद आनन-फानन में इससे पल्ला झाड़ते हुए सरकार ने यह बयान दिया कि यह सुनी-सुनाई और कुछ संबंधित पक्षों की बताई हुई संख्या है। लेकिन 2016 में एनडीए सरकार के मंत्री किरण रिजिजु ने बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या 2 करोड़ बताई, जो 2004 में यूपीए सरकार द्वारा बताई गई संख्या से 70 प्रतिशत ज्यादा थी। लेकिन 2017 में सरकार ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या की पुख्ता जानकारी संभव नहीं है।

बांग्लादेशी घुसपैठ का समाधान है जरूरी - समझना होगा कि विदेशी घुसपैठ के मुद्दे के कई पहलू हैं। यह विषय मात्र जनसंख्या परिवर्तन का ही नहीं है। इसके कई दूरगामी आयाम हैं, जिन्हें समझने की जरूरत है। बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ के आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और कानून-व्यवस्था से जुड़े प्रभावों से देश आज जूझ रहा है। हालांकि इसके प्रभाव पूरे देश में एक जैसे नहीं हैं। सीमावर्ती और सघन शहरी इलाकों जैसे असम, पश्चिम बंगाल और दिल्ली व मुंबई में अवैध घुसपैठ का परिणाम ज्यादा स्पष्ट दिखाई दे रहा है। यदि घुसपैठ के आर्थिक परिणामों की बात करें, तो सबसे पहले तो घुसपैठ भारत के नागरिकों के रोजगार पर प्रहार करती है। भारत पहले से ही एक विशाल जनसंख्या और युवा आबादी वाला देश है। देश के लोगों, खासतौर पर युवाओं को रोजगार मिलने में कठिनाई हो रही है, लेकिन ऐसे में जब बांग्लादेशी घुसपैठिए रोजगार पाने की कवायद में सस्ती से सस्ती मजदूरी पर काम करने के लिए तैयार रहते हैं, ऐसे में भारतीय मजदूर रोजगार से बाहर हो जाते हैं। घरेलू काम हो अथवा औद्योगिक रोजगार, सभी में बांग्लादेशी घुसपैठिए भारत के नागरिकों को रोजगार से बाहर कर रहे हैं। यही नहीं भारत में रोजगार में असंगठित क्षेत्र जिसमें छोटे दुकानदार, रेहड़ी पटरी, खोमचा, कबाड़, निर्माण और बाजारों और मंडियों में भारी मात्रा में रोजगार सृजन होता है। इन सभी स्थानों पर बांग्लादेशी घुसपैठिए रोजगार पर कब्जा कर रहे हैं और कई बार तो पूरा सिंडिकेट बनाकर वे काम करते हैं। छोटे दुकानदार और व्यापारियों को इससे भारी नुकसान हो रहा है। यही नहीं चूंकि बांग्लादेशी घुसपैठिए असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं, जिससे सरकार को कोई राजस्व नहीं मिलता। इसके साथ ही वे भारत से पैसा कमाकर अवैध तरीके से बांग्लादेश में भी भेजते हैं, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को नुकसान होता है। इसके अलावा भारत सरकार देश के गरीब नागरिकों के लिए जो कल्याणकारी योजनाएं चलाती है, जिसके तहत मुफ्त रशन, बिजली, पानी और वित्तीय समावेशन (जैसे बैंक खाते) जैसी सुविधाएं दी जाती हैं, फर्जी दस्तावेजों के दम पर ये घुसपैठिए इन योजनाओं का अनुचित लाभ उठा रहे हैं, जिससे देश के खजाने को हर साल करोड़ों का नुकसान हो रहा है। यही नहीं घुसपैठ वाले इलाकों में सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव बनता जा रहा है। इन घुसपैठियों ने अवैध रूप से आधार कार्ड और राशन कार्ड तक बना लिए हैं। इससे ज्यादा प्रवासी आबादी वाले इलाकों में स्वास्थ्य, शिक्षा, साफ-सफाई और रियायती भोजन व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। घुसपैठ के कारण योजना विहीन शहरीकरण, आवास और बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ाता है। नकली आधार, राशन कार्ड और वोटरकार्ड के मामले शासन-प्रशासन और आंतरिक सुरक्षा के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। घुसपैठ को रोकना जरूरी है।

-डा. अश्वनी महाजन

सूचना

दैनिक सच एक्सप्रेस में प्रदेशभर के 42 जिला प्रतिनिधि व 200 से अधिक तहसील और विकासखण्ड प्रतिनिधि सेवाएं दे रहे हैं। लगभग यह सभी किसी अन्य न्यूज एजेंसी या सोशल मीडिया से भी जुड़े हुए हैं। अखबार के अलावा किसी अन्य प्लेटफार्म पर इनकी टिप्पणी या समाचार को दैनिक सच एक्सप्रेस से जोड़कर न देखा जाए।

प्रबंध सम्पादक

सच वाणी

सभी आलेख लेखकों के अपने विचार हैं।
दैनिक सच एक्सप्रेस सभी विषयों पर तटस्थ था, है और रहेगा।

बाजार की हलचल नहीं, अपनी तैयारी की चिंता करें

माइकल कैर ने कहा था बाजार की गतिविधियों की चिंता मत करो, बल्कि इस बात की चिंता करो कि बाजार की गतिविधियों के जवाब में तुम क्या करोगे। शेयर बाजार की दुनिया में एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि यहां स्थिरता कभी लंबे समय तक नहीं रहती। कभी बाजार में तेजी का माहौल बनता है तो कभी अचानक गिरावट निवेशकों को चिंता में डाल देती है। लेकिन बाजार को समझने वाले लोग जानते हैं कि उतार-चढ़ाव बाजार की स्वाभाविक प्रक्रिया है। असली समझदारी इस बात में है कि हम हर बदलाव को कैसे देखते हैं और उसके आधार पर अपने फैसले कैसे लेते हैं। पिछले कुछ दिनों में भारतीय शेयर बाजार से ऐसे संकेत मिल रहे हैं, जो निवेशकों के लिए राहत लेकर आए हैं। लंबे समय से जारी दबाव के बाद बाजार में एक बार फिर सकारात्मक माहौल बनता दिखाई दे रहा है। शुक्रवार को सेंसेक्स में जबरदस्त तेजी देखने को मिली और निफ्टी भी महत्वपूर्ण स्तर को पार करने में सफल रहा। बाजार की इस मजबूती ने निवेशकों के बीच एक नया भरोसा पैदा किया है।

बाजार में आई इस तेजी के पीछे कई कारण हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण कारण वैश्विक परिस्थितियों में सुधार और कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट को माना जा रहा है। इसके अलावा दुनिया के कई हिस्सों में तनाव कम होने की उम्मीद ने भी निवेशकों की चिंता को कुछ कम किया है। भारत जैसी अर्थव्यवस्था के लिए कच्चे तेल की कीमतों का महत्व बहुत अधिक है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इसका सीधा असर भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये की कीमत पर पड़ता है। इसके विपरीत जब तेल सस्ता होता है तो अर्थव्यवस्था को राहत मिलती है।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का मतलब है कि भारत को तेल खरीदने के लिए कम विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ेगी। इससे चालू खाते पर दबाव कम होता है और रुपये को मजबूती मिल सकती है। कुल मिलकर आर्थिक सुधार होगा। इसके अलावा परिवहन लागत कम होने से कंपनियों की उत्पादन लागत भी घट सकती है, जिसका सकारात्मक प्रभाव कई क्षेत्रों पर दिखाई दे सकता है। यही वजह है कि बाजार ने तेल की कीमतों में आई नरमी को एक अच्छे संकेत के रूप में लिया है। निवेशक हमेशा उन संकेतों को तलाशते हैं, जो भविष्य की आर्थिक तस्वीर को बेहतर दिखाते हैं।

इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर शांति की संभावनाएं भी बाजार के लिए सकारात्मक खबर हैं। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चल रहा तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय रहा है। दुनिया पहले ही महंगाई, सप्लाई चेन की समस्या और आर्थिक अनिश्चितता जैसी चुनौतियों से गुजर चुकी है। ऐसे समय में अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थिरता आती है तो इसका फायदा व्यापार और निवेश दोनों को मिलेगा। किसी भी देश का बाजार केवल घरेलू नीतियों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि दुनिया की घटनाओं का भी उस पर गहरा असर पड़ता है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी जुड़ी हुई है कि किसी एक क्षेत्र में पैदा हुआ संकट पूरी दुनिया के बाजारों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि बाजार में आई तेजी को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित होने से पहले कुछ बातों को समझना जरूरी है। शेयर बाजार भविष्य की उम्मीदों पर चलता है, लेकिन लंबे समय तक मजबूती बनाए रखने के लिए अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत होनी चाहिए। निवेश, उत्पादन, रोजगार और उपभोक्ता मांग जैसे वास्तविक आर्थिक संकेत ही किसी देश की असली ताकत को दिखाते हैं। भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि बाजार की इस सकारात्मक भावना को वास्तविक आर्थिक विकास में बदला जाए। देश में उद्योगों का विस्तार हो, रोजगार के अवसर बढ़ें और छोटे तथा मध्यम कारोबारियों को आगे बढ़ने का मौका मिले, तभी विकास का फायदा व्यापक स्तर पर दिखाई देगा। आज दुनिया जिस तरह चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रही है, उसमें भारत के लिए एक बड़ा अवसर मौजूद है। कई वैश्विक कंपनियां अपनी सप्लाई चेन को नए देशों में फैलाना चाहती हैं। भारत के पास बड़ा घरेलू बाजार, युवा आबादी और प्रतिभाशाली मानव संसाधन मौजूद है। लेकिन इस अवसर का फायदा उठाने के लिए जरूरी है कि भारत निवेशकों के लिए एक आसान और भरोसेमंद स्थान बने। किसी भी बाजार की सबसे बड़ी पूंजी भरोसा होता है। जब निवेशकों को लगता है कि भविष्य में आर्थिक संभावनाएं मजबूत हैं तो वे निवेश करने के लिए आगे आते हैं। यही भरोसा बाजार को लंबे समय तक मजबूती देता है। वर्तमान समय में भारत के लिए कई संकेत सकारात्मक दिखाई दे रहे हैं। कच्चे तेल की कीमतों में राहत, वैश्विक तनाव कम होने की संभावना और भारतीय अर्थव्यवस्था की लगातार बढ़ती क्षमता आने वाले समय के लिए उम्मीद जगाती है। लेकिन बाजार में हमेशा एक बात याद रखनी चाहिए कि तेजी और गिरावट दोनों अस्थायी होती हैं। समझदार निवेशक न तो गिरावट के समय डरकर गलत फैसले लेता है और न ही तेजी के समय बिना सोचे-समझे जोखिम उठाता है। वह बाजार की दिशा को समझता है और धैर्य के साथ आगे बढ़ता है। आज आवश्यकता केवल बाजार की चाल देखने की नहीं है, बल्कि यह समझने की है कि बदलती परिस्थितियों में हमारी रणनीति क्या होनी चाहिए। क्योंकि बाजार में सफलता इस बात से तय नहीं होती कि बाजार हमारे लिए क्या करता है, बल्कि इस बात से तय होती है कि हम बाजार की गतिविधियों के जवाब में क्या करते हैं।

-डॉ. लोकेश भारतीय
(असिस्टेंट प्रोफेसर)

जिसने छोड़ा अभिमान उससे प्रसन्न हनुमान

जीवन समाधान

महाराज वैभव भटेले
(धर्म, अध्यात्म एवं राष्ट्रीयता के ओजस्वी वक्ता)
Mobile No. 9303139229

इस जगत में श्री हनुमान चिरंजीवी हैं। जो सदेह विद्यमान हैं। जिनकी शक्ति और सामर्थ्य का वर्णन नहीं किया जा सकता। रुद्र के अवतार हनुमान ही तो हैं जिन्होनें प्रभुश्रीराम के भी संकट टाले। वैसे तो भगवान पर कभी संकट नहीं आते लेकिन जब वो ज्ब् मनुष्य रूप में अवतार लेते हैं और नरलीला करते हैं। तब उन पर भी संकट आते हैं और हनुमान उन्हें बचाते हैं। इसलिए तो इस जगत में ही नहीं बल्कि तीनों लोकों में संकट मोचक के रूप में जाने जाते हैं। हनुमान उपकार की प्रतिमूर्ति हैं। वे सबके साथ संरक्षक बनकर खड़े होते हैं। जिनकी प्रशंसा स्वयं भगवान करते हैं यह कहते हुए कि हे हनुमान! प्रति उपकार करौ का तोरा। सनमुख होई न सकत मन मोरा।। ऐसे हनुमान जी महाराज की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। हनुमान जी को मनाने के लिए बहुत पुजा प्रार्थना की भी जरूरत नहीं है। इनके सामने तो बस रामनाम जपिए और मोह कपट अभिमान से बचिए। संतजन सही तो कहते हैं जिसने छोड़ा अभिमान उससे प्रसन्न हनुमान! असल में जो अभिमान छोड़ता है वही तो राम का भक्त होता है। और जो राम का भक्त होता है वह श्रीहनुमान जी को प्रिय लगता है। निष्कंटक जीवन जीने के लिए और अपनी आशा आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए पवित्र भाव से प्रभु का ध्यान करने वाले को हनुमान जी मनोवान्छित फल प्रदान करते हैं मन क्रम वचन ध्यान जो लावैं। सोई अमित जीवन फल पावैं।। वास्तव में किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए किसी परीक्षा प्रतियोगिता में संघर्ष अथवा युद्ध में सफलता तब संभव हों जाती है जब मनुष्य मन वचन कर्म से पवित्र होकर अपने सारे कर्म और पुरुषार्थ परमात्मा पर छोड़ देता है। ऐसे साधकों की हनुमान जी रक्षा करते हैं उनके संकटों को टालते हैं और जीवन में जीत हासिल कराते हैं। श्री हनुमानजी के बारे में यह भी एक रहस्य की बात है कि उनका गदा सिर्फ अहंकारियों पर प्रहार करता है और वह भी रामभक्तों के बचाव में। इसलिए अहंकार छोड़िए और हनुमत कृपा प्राप्त कीजिए।

वर्ग पहेली 2885

बायें से दायें:- 1) एक जानवर, 4) सुखाया अंगूर, 7) खलबली, 9) समझौता, 11) जीत, 14) ध्वनि, 15) चुकता, 16) चहचहाहट, 19) दफनाना, 20) अपराध, 21) आदर-पूर्वक, 23) वह (बोलचाल), 24) जलीय अंश, 26) फूंक (धूम्रपान), 27) रैना, 29) छू कर तलाशना, 31) अदा, 33) रोकना, 34) सीता.

ऊपर से नीचे:- 1) कुतूहली, 2) कामयाबी, 3) ओछा, 5) पियक्कड़, 6) लज्जित, 8) इच्छा, 10) झूलना, 12) स्मृतिचिन्ह, 13) ख्याल, 15) अंडबंड, 17) तरंग, 18) चरबी, 20) भटका हुआ, 22) बिचौलिया, 25) चिपकना, 28) किनारा, 30) नृत्य, 32) कुछ; कमी.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

दैनिक सचएक्सप्रेस पंचांग

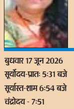

ज्योतिषाचार्य
श्रीमती सुषमा शंकरलाल पुरोहित
मो: 8823008303

बुधवार 17 जून 2026
सूर्योदय-प्रातः 5:31 बजे
सूर्यास्त-शाम 6:54 बजे
चंद्रोदय - 7:51
चंद्रास्त -9:48
शक संवत् - 1948 पराभव
विक्रम संवत -2083 रौद्र
पूर्णिमांत महीना- ज्येष्ठ
पक्ष - शुक्ल
तिथि - तृतीया रात्रि 1:56 तक पश्चात् चतुर्थी।
नक्षत्र - पुनर्वसु शाम 5:50 तक पश्चात् पुष्य
योग - ध्रुव रात्रि 8:54 तक पश्चात् व्याघात
करण - तैतिल दिन 11:16 तक पश्चात् गर
सूर्य राशि - मिथुन
चंद्र राशि - दिन 12:13 तक मिथुन राशि में।
शुभांक 0-5-6

मेष: दिन अनुकूल। स्वयं के ज्ञान पर भरोसा रखें। कार्य क्षेत्र में बाधाएं आ सकती है, पर धैर्य से काम करने से सब दूर हो जाएगी। शिवजी को जल अर्पित करें। शुभ अंक- 4, शुभ रंग - लाल।

वृष: स्वयं की क्षमताओं पर भरोसा रखें। नीति नियमों के अनुसार कार्य करें। परिवार में अच्छा वातावरण। शिवजी को बेलपत्र अर्पित करें। शुभ अंक- 3, शुभ रंग - सफेद।

मिथुन: मान सम्मान में वृद्धि। परंतु परिवार में आपसी बहस हो सकती है, समझदारी से इसका समाधान करें। शिवजी को दुर्वा अर्पित करें। शुभ अंक - 9, शुभ रंग- हरा।

कर्क: धन खर्च अनावश्यक हों सकता है। परिवार में सदस्यों के बीच थोड़ा मतभेद उभर सकता है। कार्य क्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग प्राप्ति योग। शिवजी को अकाऊ के फूल अर्पित करें। शुभ अंक- 5, शुभ रंग- हरा।

सिंह: दिन अनुकूल। रूके हुए कार्य सम्भव। कार्य क्षेत्र में तरक्की। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल।शिवजी को अबीर अर्पित करें। शुभ अंक- 4, शुभ रंग- लाल।

कन्या: मान-सम्मान में वृद्धि। कार्य क्षेत्र में लाभ। व्यापारी वर्ग नया कार्य आज से शुरू कर सकते हैं। साथ ही पूर्व में बनी नयी योजना पर भी कार्य कर सकते हैं। शिवजी को अबीर अर्पित करें। शुभ अंक- 3, शुभ रंग- भूरा।

तुला: कार्य क्षेत्र में लाभ। कालेज स्तरीय विद्यार्थियों को अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। मां के स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें। शिवजी को सफेद सुगंधित फूल अर्पित करें। शुभ अंक - 2, शुभ रंग- सफेद।

वृश्चिक: भाग्य प्रबल। कार्य क्षेत्र में आज विशेष लाभ प्राप्ति योग। लम्बित कार्य आज प्रयास करने पर सम्भव। परिवार में शुभ कार्य। शिवजी को लाल फूल अर्पित करें। शुभ अंक- 8, शुभ रंग- भूरा।

धनु: दिन थोड़ा सामान्य। कार्य क्षेत्र में रुकावटें बन सकती है। परिवार में अच्छे शुभ कार्य सम्भव। शिवजी को अक्षत और मिश्री अर्पित करें। शुभ अंक- 3, शुभ रंग- सफेद।

मकर: परिवार में उत्तम तालमेल। विशेष योग - संयोग बन सकते हैं। कार्य क्षेत्र में परिवर्तन सम्भव। शिवजी को लाल फूल अर्पित करें। शुभ अंक- 7, शुभ रंग - आसमानी।

कुंभ: स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। कार्य क्षेत्र में उत्तम अवसर प्राप्त हो सकते हैं, सजग रहें। व्यापारी वर्ग के लिए दिन शुभ। शिवजी को जल अर्पित करें। शुभ रंग- 5, शुभ रंग- नीला।

मीन: संतान क्षेत्रीय उत्तम योग बन सकते हैं। व्यापारी वर्ग आज नया निवेश न करें, पर पूर्वगत निवेश से लाभ सम्भव। शिव जी को अबीर अर्पित करें। शुभ अंक- 8, शुभ रंग - पीला।

ग्रह स्थिति: वृष राशि में, ता. 15 की रात्रि 8:05 से मिथुन राशि में। मंगल- मेष राशि में,ता. 20 की रात्रि 10:52 से वृष राशि में। बुध- मिथुन राशि में, ता. 22 के दिन 2:20 से कर्क राशि में, ता. 30 के दिन 12:34 से वक्री। गुरु- मिथुन राशि में, ता. 2 के दिन 2:01 से कर्क राशि में प्रवेश। शुक्र - मिथुन राशि में, ता.8 के दिन 2:34 से कर्क राशि में। शनि- मीन राशि में। राहु- कुंभ राशि में। केतु- सिंह राशि में।

दिशा शूल: उत्तर दिशा में यात्रा वर्जित है। अति आवश्यक होने पर तिल से बने खाद्य पदार्थ का सेवन कर घर से निकलें।

चौघड़िया: लाभ सुबह 6:00-7:30 तक, अमृत सुबह 7:30-9:00 तक, शुभ सुबह 10:30-12:00 तक, चर दोपहर 3:00-4:30 तक, लाभ अपराह्न 4:30-6:00 तक

अभिजीत मुहूर्त: आज नहीं!

सर्वार्थ सिद्धि योग: ता. 5 को सूर्योदय से रात्रि 2:57 तक। ता.9 को सूर्योदय से रात्रि अंत तक। ता. 11 को सूर्योदय से रात्रि 3:03 तक। ता. 15 को सूर्योदय से रात्रि 8:58 तक। ता. 18 को सूर्योदय से अपराह्न 4:33 तक। ता. 21 को दिन 2:37 से रात्रि अंत तक। ता. 26 को रात्रि 8:29 से रात्रि अंत तक।

पुष्य नक्षत्र: ता. 17 को शाम 5:50 ता .18 की शाम 4:33 तक।

त्रिपुष्कर योग - ता.16 को रात्रि 7:20 से रात्रि अंत तक। ता. 21 को दिन 2:37 से रात्रि 8:01 तक।

रवि योग: ता.6 की प्रातः 6:07 से ता. 7 की सुबह 7:55 तक। ता. 17 के दिन 1:41 से ता.18 के दिन 11:32 तक। ता. 20 की प्रातः 5:28 से ता. 22 के दिन 12:36 तक। ता. 24 की प्रातः 5:29 से ता.25 की अपराह्न 4:29 तक। ता. 27 की रात्रि 10:15 से ता. 29 की रात्रि 1:08 तक।

अमृत सिद्धि योग: ता. 15 को सूर्योदय से रात्रि 8:58 तक। ता. 18 को सूर्योदय से अपराह्न 4:33 तक।

द्विपुष्कर योग - ता. 6 को रात्रि 10:12 से रात्रि अंत तक।